S-263

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-507

भारतीय दर्शन भाग-02

MA Sanskrit (MASL)

2nd Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. जैन धर्म के प्रारम्भिक इतिहास के साथ श्वेताम्बर व दिगम्बार के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

2. जैन साधना के पंचव्रतों का विशद वर्णन कीजिए।

3. चार्वाक दर्शन के सिद्धान्तानुसार प्रत्यक्ष प्रमाण विषयक चिन्तन स्पष्ट कीजिए।

4. न्याय दर्शन के अनुसार न्याय शास्त्र, सृष्टि विचार और न्याय को परिभाषित कीजिए।

5. जैन ज्ञानमीमांसा के अनुसार प्रत्यक्ष ज्ञान एवं परोक्ष ज्ञान को परिभाषित कीजिए।

अथवा

वेद एवं उपनिषद में चार्वाक दर्शन की उपस्थिति का वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. चार्वाक दर्शन की काम विषयक अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

2. भारतीय तर्क परम्परा और पद्धति पर प्रकाश डालिए।

3. प्राचीन न्याय के आचार्यों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

4. लक्षण और उदाहरण सहित अनुमान प्रमाण की व्याख्या कीजिए।

5. चार्वाक दर्शन के अनुसार तनाव मुक्ति के क्या प्रयास हैं?

6. प्रमेय से आप क्या समझते हैं, तर्कभाषानुसार कितने प्रमेय हैं?

7. न्याय दर्शनानुसार सन्निकर्ष कितने प्रकार का माना गया है? स्पष्ट करें।

8. प्रमाण की परिभाषा लिखिए।

अथवा

तर्कभाषा के आधार पर प्रत्यक्ष प्रमाण की व्याख्या कीजिए।